एक दिवसीय बीकानेर दौरे पर आज आएंगे राज्यपाल :आयोजन की तैयारियां पूरी, प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया जायजा

किसानों की आय वृद्धि और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होगा विमर्श

पत्रिका रीडर्स फेस्ट

कृषि विश्वविद्यालय और एमजीएसयू में आयोजित होगा राष्ट्रीय सेमिनार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय (एमजीएसयू) और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में सोमवार को राष्ट्रीय सेमिनार और लोकार्पण कार्यक्रम होंगे। मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। इस दौरान एसकेआरएयू में कृषकों की आय वृद्धि पर मंथन किया जाएगा। इस दौरान अलग-अलग जगहों के वैज्ञानिक, शोधार्थी दो दिवसीय सेमिनार में हिस्सा लेंगे। वहीं एमजीएसयू में हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को एकीकृत करने में संभावनाएं और चुनौतियों विषय पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। तीन सत्रों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में नई शिक्षा निति पर गहनता से विचार-विमर्श किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के एक हजार से भी अधिक शिक्षक, विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।

सेमिनार की जानकारी देते कुलपति डॉ. अरूण कुमार।

11.45 बजे पहुंचेंगे राज्यपाल

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को सुबह 11 बजे वायु मार्ग से जयपुर से प्रस्थान करेंगे और 11:45 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दोपहर 12:30 बजे एसकेआरएयू में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। दोपहर 2:45 बजे महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में सेमिनार में शिरकत करेंगे। राज्यपाल शाम 4.25 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

एसकेआरएयू में तैयार आवासीय छात्रावास।

9 विषय 5 तकनीकी सत्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुड़े 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कीट प्रबन्धन के सन्दर्भ में कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि के लिए विभिन्न कृषि व्यवसाय, विपणन आदि में नवाचारों पर चर्चा होगी। डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में 8 राज्यों से करीब 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी समेत कई लोग हिस्सा लेंगे।

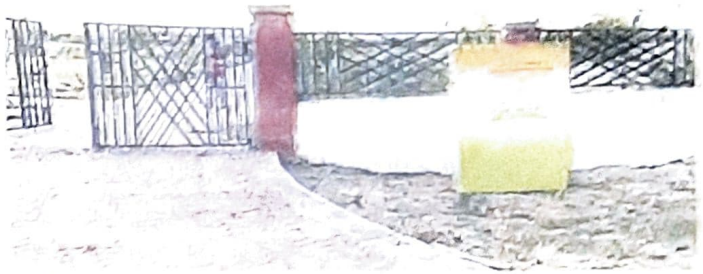

एमजीएसयू में तैयार अमृत वाटिका।

अमृत वाटिका का लोकार्पण होगा

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी से पहले अमृत वाटिका का लोकार्पण किया जाएगा। मीडिया प्रभारी डॉ. मेघना शर्मा ने बताया कि मेरी माटी मेरा देश राष्ट्रव्यापी अभियान के अन्तर्गत अमृत वाटिका तैयार करवाई गई है,जिसमें 75 देशी किस्म के पौधे लगाए गए हैं। सोमवार सुबह 10 बजे से विश्वविद्यालय परिसर स्थित आडिटोरियम में सेमिनार आयोजित किया जाएगा। वहीं कृषि विवि में 60 लाख की लागत से तैयार हुए आवासीय छात्रावास का लोकार्पण होगा।

कृषकों की आय वृद्धि के लिए 'कृषि में विविधीकरण' विषयक संगोष्ठी आज से

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 11-12 सितम्बर को 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधीकरण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। प्रेस कांफ्रेंस में कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोगताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण लाना आवश्यक हो गया है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाएं ताकि किन्हीं कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्त्रोतों से आर्थिक सम्बल मिलता रहे।

संगोष्ठी समन्वयक डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुडे 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। इन सत्रों में फसल विविधीकरण एवं [illegible] कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, कृषि विविधीकरण में जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि हेतु विभिन्न कृषि व्यवसाय, किसानों की आय वृद्धि हेतु नवाचार एवं स्टार्ट अप, फसल विविधीकरण से जुड़ी प्रसार गतिविधियां तथा कृषि विपणन में नवाचारों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर कुलपति द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन सचिव डॉ. पी. के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। प्रेस कांफ्रेंस में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कृषि विविधीकरण एवं कृषि शोध कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने कम अवधि में, कम पानी में पकने वाली बाजरा, चना, मोठ तथा मूंगफली की किस्में विकसित की हैं जो सूखारोधी होने के साथ-साथ स्थानीय जलवायु में अच्छी उपज देती हैं। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि संगोष्ठी में कृषि विविधीकरण पर अन्य राज्यों में किये गये प्रयासों के प्रस्तुतिकरण का लाभ हमारे वैज्ञानिकों व किसानों को मिलेगा।

उपनिदेशक जन सम्पर्क कार्यालय बीकानेर, हरिशंकर आचार्य ने कहा कि स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कृषि में नवाचारों पर लगातार आयोजन कर यहां के किसानों की जागरूकता एवं आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में सार्थक पहल कर रहा है।

किसानों की आय वृद्धि के लिए 'कृषि में विविधीकरण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने किया।

■ राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे

श्रीगंगानगर शहर के अरोड़वंश पब्लिक स्कूल में रविवार को शिक्षकों का सम्मान किया गया। जिले के विभिन्न स्कूलों में काम कर रहे 66 टीचर्स को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 11-09-2023

• 'कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आज, मुख्य अतिथि होंगे राज्यपाल

बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य, मधुमक्खी और केंचुआ पालन आदि से आय बढ़ाएं किसानः कुलपति

हिंदी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय 11-12 सितम्बर को "कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इससे पूर्व कुलपति डॉ. अरूण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस उन्होंने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर माननीय राज्यपाल राजस्थान, श्री कलराज जी मिश्र मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोक्ताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाएं। इससे किन्हीं कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्त्रोतों से आर्थिक संबल मिलता रहे। संगोष्ठी समन्वय डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुड़े 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। आयोजन सचिव डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैरसरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी दी।

उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण कृषि में विविधीकरण लाना जरुरी : अरुण कुमार

■ जलतेदीप क्रिसं, बीकानेर

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 'कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधीकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ सोमवार को राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने रविवार को प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोक्ताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण लाना आवश्यक हो गया है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाए ताकि किन्ही कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्त्रोतों से आर्थिक सम्बल मिलता रहे।

संगोष्ठी समन्वय डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुड़े 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। इन सत्रों में फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कीट प्रबन्धन के सन्दर्भ में कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, कृषि विविधीकरण में जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि हेतु विभिन्न कृषि व्यवसाय, किसानों की आय वृद्धि हेतु नवाचार एवं स्टार्ट अप, फसल विविधीकरण से जुड़ी प्रसार गतिविधियां तथा कृषि विपणन में नवाचारों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर कुलपति द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन सचिव डॉ. पी.के. यादव ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारी एवं गैरसरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे।

एसकेआरएयू में कृषि में विविधीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 11 सित. से

बीकानेर। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 11-12 सितम्बर को कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधीकरण विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन से पूर्व कुलपति डॉ.अरूण कुमार की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। कुलपति ने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर माननीय राज्यपाल राजस्थान, श्री कलराज मिश्र मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदा, टिड्डी प्रकोप, फसल उत्पादन एवं उपभोगताओं की खाद्य पदार्थों की मांग के अनुरूप उत्पादों के मूल्यों में बदलाव के कारण आज कृषि में विविधीकरण लाना आवश्यक हो गया है। किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए फसल उत्पादन के साथ बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद की इकाई, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन की तकनीकों तथा संरक्षित खेती को अपनाए ताकि किन्हीं कारणों से यदि पूरी फसल बर्बाद हो भी जाये तब भी आय के इन अतिरिक्त स्त्रोतों से आर्थिक सम्बल मिलता रहे। संगोष्ठी समन्वय डॉ. आई.पी. सिंह ने कहा कि संगोष्ठी में फसल विविधीकरण से जुडे 9 विषयों पर 5 तकनीकी सत्र आयोजित किये जायेंगे। इन सत्रों में फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कीट प्रबन्धन के सन्दर्भ में कृषि में जैव विविधता, घरेलू खाद्यान्नों में पोषण सुरक्षा, फसल विविधीकरण में पर्यावरण सुरक्षा व स्थिरता के मुद्दे, कृषि विविधीकरण में जोखिम कवरेज एवं रोजगार के अवसर, प्राकृतिक संसाधनों का प्रबन्धन, आय वृद्धि हेतु विभिन्न कृषि व्यवसाय, किसानों की आय वृद्धि हेतु नवाचार एवं स्टार्ट अप, फसल विविधीकरण से जुड़ी प्रसार गतिविधियां तथा कृषि विपणन में नवाचारों पर चर्चा होगी। इस अवसर पर कुलपति द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन सचिव डॉ.पी.के. यादव मे बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के 8 विभिन्न राज्यों से लगभग 200 वैज्ञानिक, शोधार्थी, सरकारीं एवं गैरसरकारी संगठनों के नीति निर्धारक प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कृषि विविधीकरण एवं कृषि शोध कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने कम अवधि में, कम पानी में पकने वाली बाजरा, चना, मोठ तथा मूंगफली की किस्में विकसित की हैं जो सूखारोधी होने के साथ-साथ स्थानीय जलवायु में अच्छी उपज देती हैं। प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि संगोष्ठी में कृषि विविधीकरण पर अन्य राज्यों में किये गये प्रयासों के प्रस्तुतिकरण का लाभ हमारे वैज्ञानिकों व किसानों को मिलेगा। उपनिदेशक जन संम्पर्क कार्यालय, बीकानेर, हरि शंकर आचार्य ने कहा कि स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय कृषि में नवाचारों पर लगातार आयोजन कर यंहा के किसानों की जागरूकता एवं आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में सार्थक पहल कर रहा है।